राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उदयपुर

राजस्थान सरकार

RSCERT Udaipur

हवामहल

बच्चों का झरोखा

9 दिसम्बर 2023: शनिवार: वर्ष – 04: अंक – 34

बचो बचो लालाजी

आज की कविता

लालाजी छुप छुप के लड्डू खाते हैं। और वह भी एक दो नहीं, पूरी की पूरी थाली खतम कर जाते हैं । लेकिन अगर उनको एक भी काकरोच दिख जाये तो डर के मारे कांपने लगते हैं । छिपकली अगर छत में भी दिख जाए तो उनकी नींद गायब हो जाती है और उल्लू को देखकर तो उनके पसीने छूट जाते हैं। इस डर में हर बार उन्हें बचाता कौन है? एक मजेदार कविता देखने के लिए चित्र पर क्लिक करें ।

3+ वर्ष के बच्चों के लिए। Infobells

अरे! यह सब कौन खा गया?

आज की कहानी

जंगल की दुनिया बड़ी अनोखी है, यहाँ कुछ भी बेकार नहीं जाता। मरा हुआ जानवर कुत्ते भेड़िया सियार खा जाते हैं । पर बचा हुआ माँस और हड्डी कौन खा जाता है ? बड़े बड़े पेड़ जब गिरते हैं तो सड़ गल जाते हैं, इन्हें कौन चट कर जाता है ? हाथी का मल तो इतना सारा होता है इसे कौन साफ कर देता है ? आओ देखते हैं यह सब किसका काम है। देखने के लिए चित्र पर क्लिक करें।

6+ वर्ष के बच्चों के लिए। Pratham Books

नाच

आज की किताब

नाचना गाँव के लोग बेहद खुश हैं कि आज रात को नाच होगा। वे नचइयों के नाच देखने के लिए उतावले हो रहे हैं। हर तरफ नाच ही नाच का माहौल है। ढोलक की थाप और घुँघरुओं की खनक के साथ नाच शुरू हुआ। लेकिन यह क्या? बिजली ही गुल हो गई! तुम्हें क्या लगता है, आगे नाच जारी रहेगा? पढ़ते हैं प्रभात की यह कहानी। चित्र पर क्लिक कर कहानी पढ़े ।

6+ वर्ष के बच्चों के लिए। RtR

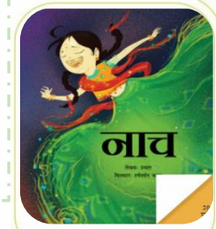

नचनी चिड़िया

आज की गतिविधि

आपने नाचने वाला बंदर, नाचने वाला भालू और नाचने वाला जोकर देखा होगा। बनाया भी होगा। आज हम नाचने वाली चिड़िया बनाना सीखेंगे । इसके लिए आपको कॉफी घोलने वाली प्लास्टिक की कुछ तीलियाँ एक स्ट्रॉ और कैंची चाहिए होंगे। आप देखेंगे कि बनने के बाद यह चिड़िया आपके हाथों के इशारे से नाचेगी। तो चलिए बनाने की विधि देखने के लिए चित्र पर क्लिक करें।

6+ वर्ष के बच्चों के लिए। Arvindguptatoys

कक्षा में दस्तावेजीकरण

टीचर्स कॉर्नर

शिक्षक यदि अपनी शिक्षण प्रक्रिया का सिलसिलेवार दस्तावेजीकरण करें तो उन्हें अपने शिक्षण, बच्चों के सीखने की प्रक्रिया और सिखाने की प्रक्रिया से जुड़े अपने कई सवालों के जवाब मिल जाएंगे। ये दस्तावेज उनकी पेशेवर क्षमता के विकास में बड़े उपयोगी साबित हो सकते हैं । कमलेश जोशी अपने आलेख में इन बातों से जुड़े अपने अनुभव रख रहे हैं । पढिए यह आलेख ।

शिक्षकों के लिए। Pathshala

रीडिंग कॉर्नर की पहल

हमारा पुस्तकालय

पढ़ना पढ़ने से ही आता है। इस ध्येय वाक्य को लेकर स्थापित किया गया रीडिंग कॉर्नर बच्चों की पढ़ने की यात्रा में एक मील का पत्थर साबित हो सकता है । जरूरी है कि इस पहल में शिक्षक पढ़ी गई किताबों पर आपस में चर्चा करवाए। रीडिंग कार्नर में हर तरह की किताबें हों । बच्चों को किताबें चुनने और पढ़ने की आजादी हो । देखते है आज के ब्लॉग में जालौर जिले के कुछ अनुभव।

शिक्षकों के लिए। RSLPP

#सबपढ़े

#सबबढ़े

साथियों, हवामहल का 189वाँ अंक आपके हाथों में हैं। खुद जुड़िये और अपने दोस्तों को भी जोडिए। बताइएगा कि यह अंक कैसा लगा?

हवामहल के सभी अंकों को प्राप्त करने के लिये यह QR कोड स्कैन करें।

आज का अंक आपको कैसा लगा? अपने सुझावों से अवगत कराने के लिए सुझाव पेटिका के चित्र पर क्लिक करें।